पाठ 18. पूँछ की कहानी

इस पाठ के माध्यम से बच्चों को भिन्न-भिन्न प्रकार की पूँछों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। इससे उनका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। वे जीव-जंतुओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्हें संवाद-लेखन क्या होता है, इसका परिचय मिलेगा। इस संवाद को बोलकर सुनाते समय उन्हें शब्दों के शुद्ध उच्चारण बताना है। इसी के साथ उनके वाचन कौशल का विकास करना है।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को इस संवाद को वार्तालाप के रूप में बच्चों को सबके सामने प्रस्तुत करने को कहें।
- बच्चों के उच्चारण पर पूरा ध्यान दिया जाए।
- बच्चों के हाव-भाव पर भी पूरा ध्यान दिया जाए।
- अभिनय कला से उन्हें परिचित कराया जाए।

इस गतिविधि से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। अभिनय की प्रस्तुति से बच्चों में शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संवादों को पूर्ण हाव-भाव से बोलने से उनमें संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। मिल-जुलकर काम करने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने से सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।